Academic Activities

तुलनात्मक धर्म–दर्शन विश्वकोश

धर्मों का तुलनात्मक अध्ययन – हिन्दू धर्म का उद्‌भव और विकास व उनके प्रमुख धर्मग्रंथ एवं सिद्धान्त और मान्यताएं तथा विश्व को देन, बौद्ध धर्म का उद्‌भव और विकास, इतिहास व प्रमुख स्त्रोत और साहित्य तथा बौद्ध धर्म की शिक्षाएं, जैन धर्म का उद्‌भव और विकास, इतिहास और उनके प्रमुख ग्रन्थ व श्रमण संस्कृति और तीर्थ परम्परा, ईस्लाम धर्म का उद्‌भव और विकास तथा उनके प्रमुख सिद्धान्त, सूफीवाद, यहूदी और इस्लाम एवं ईसाई धर्म का तुलनात्मक अध्ययन, सिक्ख धर्म का उद्‌भव और विकास तथा प्रमुख धर्मग्रंथ एवं उनके संस्थापक तथा उनके भाष्यकार, धर्म का ऐतिहासिक महत्व, आध्यात्मिक जीवन पद्धति का वैज्ञानिक स्वरूप, प्रामाणिक जानकारी के स्त्रोत, प्रमुख धर्मों के सम्प्रदाय और उनकी मान्यताएं व विश्व को देन। तुलनात्मक धर्म–दर्शन का उद्‌भव और विकास, प्रमुख तुलनात्मक धर्म–दर्शन विशेषज्ञों का अध्ययन व अध्यापन तथा शोधपरक अनुसंधान व वर्तमान युग में उनकी प्रासंगिकता और विश्व को देन।

धर्म और पर्यावरण विश्वकोश –

संस्थान में विश्व के सभी धर्मों का पर्यावरण की दृष्टि से अध्ययन एवं अनुसंधान किया गया है और यह बताने का प्रयास किया गया है कि परम्परागत ज्ञान और विज्ञान द्वारा इस विश्वव्यापी पर्यावरण प्रदूषण की समस्या का निवारण किया जा सकता है। इस परियोजना में धर्म और पर्यावरण पुस्तक के पांच भाग प्रकाशित किये गये हैं जिनके नाम इस प्रकार हैं–

1. धर्म और पर्यावरण – 1
2. Religion and Environment –II
3. धर्म और पर्यावरण –3
4. धर्म और पर्यावरण – 4
5. आध्यात्मिक पर्यावरण की मीमांसा

Published Books

संस्थान द्वारा प्रकाशित सन्त साहित्य एवम् जाम्भाणी साहित्य की पुस्तकें –

1. जम्भवाणी मूल संजीवनी व्याख्या
2. दादूदयालः सिद्धान्त और कविता
3. जम्भवाणी काव्यकोश
4. गुरू जम्भेश्वरः विविध आयाम
5. जाम्भोलावः अनादि तीर्थ शिरोमणि
6. भारतीय धर्म साधना में गुरू जम्भेश्वर का स्थान
7. गुरू जम्भेश्वर जीवन और पर्यावरणीय अवधारणा

8. गुरू जम्भेश्वरः जीवन और साधना–1
9. सबदवाणी (जम्भवाणी मूल गुटका)
10. हिन्दू धर्म मे पर्यावरण संरक्षण की भावना
11. भारतीय धर्म परम्परा और पर्यावरण संरक्षण
12. भारतीय धर्म–संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण
13. भारतीय अध्यात्म और नैतिक पर्यावरण
14. गुरू जम्भेश्वर : लोक जीवन संदेश
15. Brief Profile of Guru Jambheshwar Ji
16. जम्भवाणी (सबदवाणी मूल)

Co-Curricular Activities

1. गुरू जम्भेश्वर जी का जन्मोत्सव प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस अवसर पर उनकी शिक्षाओं पर व्याख्यान तथा हवन एवं वृक्षारोपण किया जाता है।

2. गीता जयन्ती एवं विभिन्न महापुरूषों की जन्मशती मनायी जाती है तथा उनकी शिक्षाओं का प्रचार–प्रसार किया जाता है।